फा.सं. एफ.55-1(3)/2018-ईएक्सएच

राष्ट्रीय अभिलेखागार

जनपथ, नई दिल्ली

भारत में सिविल सेवाओं संबंधी स्थायी प्रदर्शनी हेतु

क्यूरेटर की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी)

1. परिचय

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी (एलबीएसएनएए) में राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा दस्तावेजों के क्षेत्र में और भारत में सिविल सेवाओं के विकास को अकादमी की भूमिका पर विशेष बल के साथ प्रदर्शन करने के लिए एक स्थायी प्रदर्शनी स्थापित किए जाने का प्रस्ताव किया जा रहा है।

महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार की ओर से ऊपर उल्लिखित स्थायी प्रदर्शनी के लिए परामर्श कार्य सेवाओं, संप्रत्ययीकरण, संग्रहण का कार्य करने और सारांश तैयार करने आदि हेतु दो बोली प्रणाली में सीलबंद कोटेशन आमंत्रित किए जाते हैं। ऐसे व्यक्ति/संगठन/एजेंसियां जिनका संबद्ध क्षेत्र में प्रमाणित अनुभव (कम से कम पांच वर्ष) हो, विधिवत रूप से भरी हुई (i) सभी समर्थक दस्तावेजों सहित तकनीकी बोली और (ii) किए जाने वाले कार्य की वित्तीय लागत बोली महानिदेशक, अभिलेखागार को 18 जून, 2018 (4.00 बजे अपराह्न) तक पृथक लिफाफों में प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्यूरेरटर की नियुक्ति की अनुमानित लागत 20 लाख रुपए है। बोली-पूर्व बैठक 2 जून, 2008 को एलबीएसएनएए में होगी। इच्छुक पार्टी कार्य स्थल देखने और स्पष्टीकरण हेतु एलबीएएएनएए का निरीक्षण कर सकती है।

इन कार्य का निष्पादन दो बोली प्रक्रिया जिसमें तकनीकी और वित्तीय बोलियां होंगी, के जरिए चयनित व्यक्तियो/संगठनों/एजेंसियों द्वारा किया जाएगा।

बोलियां एक सीलबंद लिफाफे में जस पर "भारत में सिविल सेवाओं संबंधी स्थायी प्रदर्शनी" – क्यूरेशन और सारांश तैयार करने हेतु परामर्श कार्य सेवाएं लिखा हो, महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, जनपथ, नई दिल्ली-110001 को 18 जून, 2018, सोमवार (4.00 बजे अपराह्न) तक राष्ट्रीय अभिलेखागार, जनपथ, नई दिल्ली पहुंच जानी चाहिए।

विधिवत सीलबंद प्रस्ताव पंजीकृत डाक/स्पीडपोस्ट/कूलियर के जरिए भेजे जाने चाहिए जिससे कि ये प्रस्तावों को खोलने की तारीख और समय से पहले उपर्युक्त पते पर पहुंच सके। नियत तारीख और समय के पश्चात प्राप्त प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया जाएगा और संबंधित पार्टी को बिना खोले वापस कर दिया जाएगा।

यदि इच्छुक पार्टियां निर्धारित प्रारूप/अपेक्षाओं के अनुसार सभी समर्थक दस्तावेज अथवा संबद्ध ब्यौरा नहीं प्रस्तुत करती है तो उनके प्रस्तावों को गैर-अनुक्रियाशील माना जाएगा और सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

तकनीकी बोली वाले प्रस्तावों को 19 जून, 2018 मंगलवार को 11.30 बजे पूर्वाह्न समिति कक्ष, राष्ट्रीय अभिलेखागार (मुख्य भवन) में बोलीकर्ताओं/उनके अधिकृत प्रतिनिधियों जो उपस्थित होना चाहते हैं, की उपस्थिति में खोला जाएगा और बाद की तारीख को उन्हें ई-मेल के जरिए अलग-अलग सूचना दी जाएगी।

तकनीकी रूप से अहर्ताप्राप्त प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण 23 जून, 2018, शनिवार को एलबीएसएनएए में मूल्यांकन के प्रयोजन हेतु विषय निर्वाचन समिति के सदस्यों/विशेष अतिथि जो या तो राष्ट्रीय अभिलेखागार या एलबीएसएनएए द्वारा पहचान किए गए हों, की मौजूदगी में होगा। प्रस्तुतीकरण की तारीख और समय की सूचना ई-मेल के जरिए दी जाएगी।

प्रस्तावों की प्रारंभिक जांच राष्ट्रीय अभिलेखागार में इस प्रयोजन हेतु गठित तकनीकी मूल्यांकन समिति द्वारा और राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) की निविदा और वित्त समितियों द्वारा की जाएगी।

ऐसे क्यूरेटर जिन्हें तकनीकी प्रस्तावों के खोले जाने और मूल्यांकन किए जाने के पश्चात सफल घोषित किया गया है, को अगली तारीख को ई-मेल के जरिए अलग से सूचना दी जाएगी। केवल 70 प्रतिशत या इससे अधिक अंक वाले बोलीकर्ताओं/एजेंसियों के वित्तीय प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा।

यदि मूल अर्हता मानदंड को पूरा करने वाले कई प्रस्ताव प्राप्त होते हैं तो एनएआई के पास किसी या सभी भावी प्रस्तावों को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने और व्यक्तियों/संगठनों/एजेंसियों की संख्या को इसके द्वारा उपयुक्त संख्या सूची में सीमित करने का अधिकार सुरक्षित है।

2. स्थायी प्रदर्शनी का उद्देश्य

यह प्रदर्शनी उपलब्ध स्रोतों से भारत में सिविल सेवाओं का प्रारंभिक अवधि से विकास को प्रदर्शित करेगी। प्रस्ताव प्रदर्शनी प्रारंभिक और द्वितीयक पुरालेखीय सामग्री पर आधारित होगी। प्रदर्शनी की विषयवस्तु विभिन्न पुरालेखीय भंडारों और सरकारी एजेंसियों से प्राप्त की जाएगी। इस संबंध में एक संकल्पना नोट **अनुलग्नक-क** में और एलबीएसएनएए, मसूरी में स्थायी प्रदर्शनी हेतु उपयोग किए जाने वाले स्थान/भवन का फ्लोर प्लान **अनुलग्नक-ख** में संलग्न है।

3. परियोजना का विस्तार

प्रदर्शनी का क्यूरेशन तथा लेआउट तैयार करना या कोई अन्य माध्यम जिसकी पहचान की जा रही है, का एकल उत्तरदायित्व चयनित व्यक्ति/संगठन/एजेंसी पर होगा। क्यूरेशन संबंधी कार्य की विविध मदों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नानुसार है :

(i) क्यूरेशन से संबंधित विवरण – ऐसा सार जो क्यूरेटर को परियोजना में दिखाई देगा और जो अतिथियों का अनुभव होगा।

(ii) क्यूरेशन के दृष्टिकोण से संबंधित दस्तावेज/क्यूरेटर का प्रयास – यह परियोजना का आधार है जिस पर पूर्ण अनुकूल वातावरण का निर्माण किया जाएगा। समग्र (अथवा "अम्ब्रेला") संकल्पना की व्याख्या यहां की जाएगी। मुख्य विवरण की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस विवरण से इस दस्तावेज के भाग का निर्माण होगा। इसमें समग्र प्रदर्शनी के प्रभागों और संघटकों के बारे में गैलरियों या विषयक स्थानों में बांटकर, उपलब्ध स्थान के "प्रवाह" और आवंटन के संबंध में बताया जाएगा। इस दस्तावेज से ग्राहक को क्यूरेटर क्या कहना चाहता है, प्रदर्शनी के लेआउट के जरिए समझ में आएगा।

(iii) गैलरी या व्यापक लेआउट - यह वर्णन करेगा कि कैसे प्रदर्शनी को गैलरियों या विषयों, प्रत्येक विषय/गैलरी के लिए आवश्यक स्थान (मोटे तौर पर) में बांटा जाएगा।

(iv) वस्तुओं/शिल्प उपकरणों/सामग्री की सूची कागजात दस्तावेज, फिल्म, ऑडियो, रिकॉर्ड, वस्तुएं, फोटोग्राफ, इस्टॉलेशन्स, प्रत्येक विषय स्थान अथवा गैलरी में रखे जाएंगे।

(v) स्रोतों की सूची – स्रोतों का ब्यौरा जहां से इन सामग्री में से प्रत्येक को प्राप्त किया जाएगा। यह सामग्री किसी व्यक्ति की हो सकती है, इसे उधार पर लिया जा सकता है, खरीदा जा सकता है, पुन: उत्पादन किया जा सकता है या किसी विशेष व्यवस्था में खरीदा जा सकता है। सूची में उस व्यक्ति/एजेंसी का ब्यौरा भी होना चाहिए जो इन सामग्रियों का है और किस प्रकार की अनुमति ली जानी है।

(vi) वस्तुओं का विषय एवं विवरण – स्थायी प्रदर्शनी में उपयोग किए जाने वाले सभी पैनलों, विषयवस्तु, सामग्री, ब्रोशर के लिए विषय प्रस्तुत किया जाना।

(vii) गैलिरियों के लिए उचित प्रौद्योगिकी/उपयुक्त डिजिटल इंटरफेस का ब्यौरा।

(viii) अगले चरण पर डिजाइन प्रक्रिया संबंधी इनपुट देने के लिए प्रदर्शनी हेतु डिजाइनर (अलग से पहचान की जानी है) के साथ क्यूरेटरों की बैठक/चर्चा सत्र।

4. पूरा होने की समयावधि/तारीख

कार्य आदेश दिए जाने के चार सप्ताह के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाने हैं और सौंप दिए जाने हैं।

5. बोली की प्रस्तुति :

बोली दो सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत की जानी है।

5.1 तकनीकी बोली (लिफाफा- I) :

तकनीकी बोली अनुलग्नक-ग में दिए प्रपत्र में प्रस्तुत की जानी है। तकनीकी बोली के भाग के रूप में प्रस्तुत किए जाने वाले बोली दस्तावेज का ब्यौरा प्रपत्र में दिया गया है।

5.2 वित्तीय बोली (लिफाफा-II)

वित्तीय बोली दस्तावेज में लागत का ब्यौरा होना चाहिए जैसाकि अनुलग्नक-घ के प्रपत्र में दिया गया है।

5.3 बोली प्रस्तुत करना :

(i) सीलबंद कवर (दो लिफाफों में जिनपर विधिवत तकनीकी (लिफाफा-I) और वित्तीय (लिफाफा-II) चिह्नित हो) में प्रस्तुत निविदा, जिसके प्रत्येक लिफाफे पर परियोजना का नाम तथा ऊपर के भाग पर एलबीएसएनएए में स्थायी प्रदर्शनी लिखा होना चाहिए।

(ii) मूल्यांकन – तकनीकी और वित्तीय दोनों बोलियों पर किया जाएगा।

(iii) तकनीकी बोलियों की जांच इस प्रयोजन हेतु गठित समिति द्वारा की जाएगी।

(iv) समिति एजेंसियों की अपेक्षित कार्य को पूरा करने की योग्यता और प्रोफाइल की गुणवत्ता और इस क्षेत्र में एजेंसी के अनुभव का मूल्यांकन करेगी। बोली का मूल्यांकन पात्रता मानदंड के अनुसार किया जाएगा।

(v) उपर्युक्त मूल्यांकन के अनुसार जिन आवेदकों का चयन किया जाएगा, वे अगली तारीख को पावर पॉइन्ट प्रेजेंटेशन देंगे, जिसकी सूचना अलग से उन्हें ई-मेल के जरिए दी जाएगी। तकनीकी बोली राउंड में अर्हता प्राप्त व्यक्तियों/संगठनों/एजेंसियों की वित्तीय बोलियां अगली तारीख को जिसकी सूचना उन्हें अलग से ई-मेल के जरिए दी जाएगी, समिति कक्ष, राष्ट्रीय अभिलेखागार (मुख्य भवन) में बोलीकर्ताओं/उनके अधिकृत प्रतिनिधियों जो उपस्थित होना चाहते हैं, की मौजूदगी में खोली जाएंगी।

5.4 मूल्यांकन हेतु मानदंड

तकनीकी मूल्यांकन हेतु मानदंड इस प्रकार है :-

क्र.सं.	मानदंड	प्राप्तांक
1.	सदृश कार्यों में व्यक्तियों/एजेंसी का अनुभव	**20 अंक**
2.	प्रदर्शनी की समग्र संकल्पना और डिजाइन	**80 अंक**

क्र.सं.	मानदंड	प्राप्तांक
	• संकल्पना, स्क्रिप्ट तैयार करना और क्यूरेशन – 50 अंक • गैलरी प्लान – 20 अंक • विषय के अनुसार इस्तेमाल किए नए विचार और प्रौद्योगिकी – 10 अंक	
	कुल	**100 अंक**

क. तकनीकी बोलियां :

तकनीकी बोली में अर्हता प्राप्त करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक 70 है। वित्तीय कोटेशन केवल उनका खोला जाएगा जिन्होंने तकनीकी बोली में अर्हता प्राप्त कर ली है, और यह तकनीकी राउंड अर्थात गुणवत्ता सह लागत आधारित प्रणाली (क्यूसीबीएस) के पूरा होने पर दर्शाए गए समय पर खोला जाएगा।

ख. अंतिम चयन :

अंतिम चयन गुणवत्ता एवं कीमत (क्यूसीबीएस प्रणाली) के आधार पर क्रमश: तकनीकी और वित्तीय प्राप्तांक को 80:20 महत्व देते हुए किया जाएगा। फिर एजेंसी को भारित तकनीकी और वित्तीय प्राप्तांक संबंधी कुल प्राप्तांक के आधार पर रैंक दिया जाएगा। रैंक 1 प्राप्त करने वाली एजेंसी को कार्य आवंटन हेतु चयनित किया जाएगा। 80 प्रतिशत महत्व तकनीकी पहलुओं और 20 प्रतिशत वित्तीय बोली को दिया जाएगा।

संविदा प्रदान करने की घोषणा : क्यूरेटरों के तकनीकी प्रस्तावों को मूल्यांकन के आधार पर 70 प्रतिशत से अधिक तकनीकी प्राप्तांक वाले क्यूरेटरों के वित्तीय प्रस्तावों को खोला जाएगा। निम्नतम वित्तीय प्रस्ताव (Sm) को 100 अंकों का वित्तीय प्राप्तांक (Sf) दिया जाएगा । अन्य वित्तीय प्रस्तावों के वित्तीय प्राप्तांकों (Sf) का निर्धारण निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग कर किया जाएगा :

Sf=100xFm/F;

जिसमें Sf वित्तीय प्राप्तांक है, Fm निम्नतम वित्तीय प्रस्ताव है और F विचाराधीन वित्तीय प्रस्ताव (भारतीय रुपए में) है। प्रस्तावों को अंतत: रैंक उनके संयुक्त तकनीकी (St) और वित्तीय (Sf) प्राप्तांकों के अनुसार दिया जाएगा :

S=StxTw+SfxFw;

जिसमें S संयुक्त अंतिम प्राप्तांक है और Tw और Fw तकनीकी प्रस्ताव और वित्तीय प्रस्ताव को दिए गए भार हैं जो 0.80:0.20 होंगे। इस चरण में तकनीकी प्रस्ताव और वित्तीय प्रस्ताव को 80:20 का महत्व दिया जाएगा और अधिकतम संयुक्त अंतिम प्राप्तांक वाले परामर्शदाता को सफल परामर्शदाता के रूप में चयन किया जाएगा और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के पश्चात सफल क्यूरेटरों को संविदा दी जाएगी।

6. भुगतान की शर्तें

एजेंसी को कोई **अग्रिम - भुगतान नहीं किया जाएगा।**

15 प्रतिशत का भुगतान ड्राफ्ट क्यूरेशन संबंधी प्रस्ताव – (कार्य आदेश दिए जाने के दो सप्ताह के भीतर) प्रस्तुत करने के पश्चात किया जाएगा।

शेष अंतिम भुगतान कार्य के सभी दृष्टि से संतोषजनक पूरा हो जाने के पश्चात किया जाएगा।

7. विधिक क्षेत्राधिकार

पार्टियों के बीच निविदा के नियम एवं शर्तों के वाक्य विन्यास, अर्थ और कार्रवाई या प्रभाग से उत्पन्न या संबंधित विवादों या मतभेदों और/अथवा बाद के समझौते या तत्संबंधी उल्लंघन का निपटान एकल विवाचक करेगा, जिसकी नियुक्ति – विवाचन एवं समाधान अधिनियम, 1966 के प्रावधानों के अनुसार दोनों पार्टियों की सहमति से की जा सकती है। विवाचन का स्थान नई दिल्ली होगा। विवाचक का निर्णय अंतिम और दोनों पार्टियों पर बाध्यकारी होगा। विवाचक का व्यय जैसाकि विवाचक द्वारा निर्धारित किया जाए का वहन पार्टियों द्वारा बराबर-बराबर किया जाएगा। विवाचन का फैसला लिखित होगा और फैसले में कारणों का उल्लेख होगा।

अनुलग्नक-क

अकादमी में संग्रहालय की स्थापना संबंधी संकल्पना नोट

पृष्ठभूमि

अकादमी देश में वरिष्ठ सिविल सेवाओं के लिए प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है। इसे आईएएस के सदस्यों को प्रवेश स्तर और मध्य जीवनवृत्ति प्रशिक्षण के साथ-साथ अखिल भारतीय सेवाओं और केंद्रीय सेवाओं में सीधी भर्ती पर आए अधिकारियों को कॉमन फाउंडेशन कोर्स का संचालन करने का उत्तरदायित्व है। अकादमी की स्थापना 1 सितम्बर, 1959 को आईएएस प्रशिक्षण विद्यालय, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली और आईएएस स्टाफ कॉलेज, शिमला को समामेलित की गई।

आवश्यकता

अकादमी ने स्वतंत्र भारत में आईएएस अधिकारियों को प्रवेश और मध्य जीवनवृत्ति प्रशिक्षण सहित सिविल सेवकों की पीढ़ियों को गुणवत्ता प्रशिक्षण देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। यह महत्वपूर्ण है कि अकादमी के इतिहास में वर्तमान परम्पराओं को भावी पीढ़ियों के लिए संग्रहालय के माध्यम से संजोकर रखा जाता है जो सिविल सेवकों की नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के साथ-साथ देश की महत्वपूर्ण सार्वजनिक संस्था के रूप में अकादमी की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जा सकता है।

भवन

अकादमी ने निदेशक के लॉन के ठीक ऊपर स्थित ओल्ड लैंग्वेज ब्लॉक के पुनर्निर्माण का काम पूरा किया है। इसका केंद्रीय और अनुकूल अवस्थिति के साथ-साथ इसकी युगीन स्थापत्य विशेषताओं को देखते हुए यह अकादमी के संग्रहालय में परिवर्तित किए जाने के बिल्कुल अनुकूल है। भवन का कार्पेट एरिया टॉयलेटों को छोड़कर लगभग 2000 फीट है। इसमें वुडन फ्लोरिंग, कलात्मक प्रकाश और सेंट्रल हीटिंग की व्यवस्था की गई है।

विषयक कवरेज

संग्रहालय की स्थापना के पीछे सिविल सेवा (आईएएस सहित) की प्रशासनिक परम्परा को प्रदर्शित करने की विस्तृत संकल्पना है। संग्रहालय का क्यूरेशन भारत में प्रशसान के तंत्रों के व्यापक विषय पर किया जा सकता है, इससे सिविल सेवा की परम्परा के साथ-साथ अकादमी के योगदान को भी शामिल किया जा सकता है।

अनुलग्नक-ग

एलबीएसएनएए में स्थायी प्रदर्शनी की क्यूरेशन संबंधी सेवाओं हेतु तकनीकी बोली का आवेदन प्रारूप

1. एजेंसी/व्यक्ति का नाम :
2. पता एवं टेलीफोन नम्बर :
3. स्थापना का वर्ष :
4. स्थिति (प्रोपाइटरशिप/पार्टनशिप कंपनी) :
5. भागीदारों/निदेशकों/स्वामियों के नाम :
6. पैन नम्बर :

   (आयकर मंजूरी प्रमाणपत्र/जमा किए गए रिटर्नों की प्रति)
7. टिन नम्बर (एजेंसी के मामले में) :
8. वार्षिक टर्नओवर :

   2015-16

   2016-17

   2017-18
9. व्यावसायिक अनुभव :

   (किए गए कार्य के स्व प्रमाणित नमूनों और कार्य आदेश/भुगतान रसीदों आदि के दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ कंपनी का प्रोफाइल संलग्न करें)।
10. विगत पांच वर्षों में आपके द्वारा किए गए कार्य का ब्यौरा प्रस्तुत करें :
11. प्रस्तावित क्यूरेशन संबंधी कार्य (प्रस्ताव हेतु अनुरोध के पैरा 3 में कार्य के क्षेत्र में जैसा कि विवरण दिया गया है) के प्रस्तुतीकरण संबंधी सूचना और निम्नलिखित के संबंध में दृष्टिकोण पर संकल्पना पत्र :

    I. क्यूरेशन संबंधी विवरण

    II. क्यूरेशन संबंधी दृष्टिकोण का दस्तावेज/क्यूरेटर का ऐसे

    III. गैलरी या स्थानिक ले आउट

IV. वस्तुएं/शिल्प उपकरण/सामग्री की सूची

V. स्रोतों की सूची

VI. वस्तुओं का विषय एवं विवरण

VII. गैलरियों के लिए उचित प्रौद्योगिकी/उपयुक्त डिजिटल इंटरफेस का ब्यौरा

बोलीकर्ता के हस्ताक्षर

व्यक्ति का नाम पदनाम सहित

एजेंसी का नाम :

पता :

टेलीफोन नम्बर :

फैक्स नम्बर/ई-मेल :

मोबाइल नम्बर :

स्थान :

दिनांक :

टिप्पणी : गलत/झूठी घोषणा करने पर फर्म को इस विभाग द्वारा अयोग्य माना जाएगा और काली सूची में डाल दिया जाएगा। कृपया अपने दावे के समर्थन में सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न करें।

अनुलग्नक-घ

एलबीएसएनएए में स्थायी प्रदर्शनी हेतू क्यूरेशन सेवाओं की वित्तीय बोली का आवेदन प्रारूप

मैं, कंपनी का प्राधिकृत प्रतिनिधि, एतद्द्वारा एलवीएसएनएए में स्थानीय प्रदर्शनी के लिए राष्ट्रीय अभिलेखागार के निम्नलिखित कार्य हेतु सभी प्रासंगिक व्यय और करों सहित दरें प्रस्तुत करता हूं।

क्रम.सं.	कार्य का विवरण	लागत रुपये में अंकों और शब्दों सहित
1.	एलबीएसएनएए में प्रदर्शनी का अनुसंधान, कॉन्टेंट डेवलपमेंट और स्क्रिप्ट सहित क्यूरेशन लगभग (कार्य के स्कोप के अनुसार)	रुपये(अंकों में) रुपये(शब्दों में)
2.	सरकारी कर, जो लागू हो :	
		कुल लागत : (1+2) : रुपये(अंकों में) रुपये(शब्दों में)

मैं, राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत सरकार, नई दिल्ली के आरएफपी में निर्धारित नियमों एवं शर्तों तथा मूल्यांकन समिति के साथ-साथ राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत सरकार की विशेषज्ञ समिति द्वारा समय-समय पर दिए गए अनुदेशों का पालन करने का वचन देता हूं।

बोलीकर्ता के हस्ताक्षर

व्यक्ति का नाम पदनाम सहित

एजेंसी का नाम :

पता :

टेलीफोन नम्बर :

फैक्स नम्बर/ई-मेल :

मोबाइल नम्बर :

स्थान : दिनांक :